Philosophy
Explore – Journal of Research for UG and PG Students
ISSN 2278 – 0297 **(Print)**
ISSN 2278 – 6414 **(Online)**
© Patna Women's College, Patna, India
http://www.patnawomenscollege.in/journal

ऑनर किलिंग : एक नैतिक विवेचना

नीलम कुमारी • सिम्पी कुमारी • ज्योति राज • अमिता जायसवाल

Received : December 2010
Accepted : February 2011
Corresponding Author : Ameeta Jaiswal

Abstract : *आधुनिक युग में ऑनर किलिंग नदी की बाढ़ की तरह बढ़ती जा रही है। आज व्यक्ति शिक्षित होते हुए भी अपनी प्रतिष्ठा के लिए अपने संतान की हत्या कर देते है। ऑनर किलिंग का मुख्य कारण जाति को माना जाता क्योंकि बहुत से व्यक्ति जाति प्रथा को बहुत महत्वपूर्ण मानते है और यदि उनकी संतान अपनी जाति से बाहर विवाह करते हैं तो उनको लगता है कि उनकी प्रतिष्ठा समाज में गिर गई है जिसके कारण वह अपने संतान की हत्या कर देते हैं।*

ऑनर किलिंग ज्यादातर परिवार के द्वारा तब किया जाता है जब शादी से पहले लड़की गर्भवती हो जाए, अपने माता-पिता की इच्छा के विरूद्ध विवाह करे, या अपनी ही जाति या अलग जाति के चचेरे भाई से विवाह संबंध स्थापित करे तो ऐसे मामले में परिवार के सदस्य अपनी संतान की हत्या अपनी प्रतिष्ठा बचाने के लिए कर देते हैं। The United Nations Population Fund (U.N.P.F.) *के अनुसार पूरे विश्व में ऐसी हत्याओं के पीड़ितों की संख्या हर साल* 5000 *से ज्यादा है।*

हमने इस शोध कार्य में समाज के विभिन्न वर्गों से बात-चीत की है और इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि नैतिक दृष्टिकोण से यह प्रथा अनुचित है । जो व्यक्ति अपने परिवार की प्रतिष्ठा के लिए अपने संतान की हत्या करते हैं वे अपराध करते है। संतान को मृत्युदण्ड देने का अधिकार उन्हें नहीं हैं। अत: जो लोग इसे उचित मानते है उन्हें अपनी सोच बदलनी होगी।

Key words:– *रूढ़िगत, नैतिक, अशुभ, उचित, साध्य ।*